Anveshan (अन्वेषण): A Multidisciplinary Journal in Hindi
Vol. 3, Issue 1 – 2019

राजस्थान में पर्यटन विकास का आधार स्तम्भ

श्रीमती रजनी वरूण*, डॉ. कीर्ति चौधरी**

शोध सार (Abstract)

वर्तमान में पर्यटन सैर सपाटे और मनोरंजन के दायरे तक ही सीमित विषय नहीं रहा है। आज सम्पूर्ण विश्व में पर्यटन एक महत्वपूर्ण स्वरूप लेता जा रहा है। विगत वर्षो में पर्यटन का इतना तीव्र गति से विकास हुआ है कि पर्यटन के प्रति लोगों का दृष्टिकोण ही बदल गया है और सभी राष्ट्रों में पर्यटन के प्रति एक नयी अवधारणा विकसित हो रही है। पर्यटन महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि, संस्कृति से जुड़ी क्रिया, ऐतिहासिक व पुरामहत्व के विषयों के साथ ही समाज के सभी स्तरों से जुड़ी क्रिया या उद्योग बन गया है। पर्यटन भारत जैसे देश जिसमें बेरोजगारी एक प्रमुख समस्या है के निदान में भी सहायक सिद्ध हुआ है।

''पधारो म्हारे देस'' की भावना से ओतप्रोत वाला राजस्थान स्वतन्त्र भारत का एक महत्वपूर्ण रीगान्त प्रदेश है जिसका सांस्कृतिक वैभव देश में बेजोड़ है। यह प्रदेश अपनी प्राकृतिक धरोहर, सांस्कृतिक सम्पन्नता के कारण प्रारम्भ से ही भारतीय मानचित्र में विशिष्ट स्थान रखता है। राजस्थान में पर्यटन के विकास हेतु असीम संभावनाएँ मौजूद है। राजस्थान का पर्यटन वैभव कामधेनू गाय की भांति है जो राज्य को छवि को उत्तरोत्तर अभिवृद्ध कर रही है।

परिचय

''अतिथि देवो भव''

विश्व का एकमात्र ऐसा देश भारत जहाँ अतिथि को देवता मानकर उसका सत्कार किया जाता है। उसी देश का अभिन्न अंग है राजस्थान जो भारत में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। राजस्थान में स्थापत्य कला, भौतिक स्वरूपों, ऐतिहासिक घटनाओं का गौरवमयी इतिहास रहा है। राजस्थान की पहचान सांस्कृतिक पर्यटन के प्रमुख राज्य के रूप मे न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व मे है। पर्यटकों के लिए एक राज्य में जितनी विविधताएँ राजस्थान मे है उतनी विश्व मे अन्यत्र कहीं भी नहीं है। समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सुरूचिपूर्ण सांस्कृतिक विरासत, मन को लुभाने वाली प्राकृतिक विरासत, चित्ताकर्षण, हस्तशिल्प एवं चित्रकला की विरासत ऐसा लगता है कि राजस्थान का निर्माण ही प्रकृति ने पर्यटन के लिए किया है। राजस्थान में पर्यटन की प्रचुर सम्भावनएँ पायी जाती है। राजस्थान मे अन्य उद्योगो की भाँति पर्यटन भी एक महत्वपूर्ण उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है।

*सहायक आचार्य, सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर।
**सह आचार्य, ए.एस.पी.सी. राजकीय महाविद्यालय, अजमेर
Correspondence E-mail id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-4044**

राजस्थान भारत के तीन प्रमुख पर्यटक राज्यों (जम्मू कश्मीर, गोवा व राजस्थान) में आता है। श्री सी.वी.रमन ने इसे ''रंग श्री द्वीप'' नाम से सम्बोधित किया है। राजस्थान में पर्यटन जन–जन के मानस में भरा पड़ा है। ''घर आया घण पावणा'' जैसे अभूतपूर्व आत्मीयता और स्वपनिल मेहमान नवाजी से ओत प्रोत उद्घोष पर्यटकों को स्वर्गातीक अहसास के लिए आमन्त्रित करता है।

अध्ययन क्षेत्र

राजस्थान भारत के उत्तर पश्चिम में स्थित है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसका क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग कि.मी. है जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10. 41 प्रतिशत है। राजस्थान 23^0 30′ उत्तरी अक्षांश से 30^0 12′ उत्तरी अक्षाश तथा 69^0 30′पूर्वी देशान्तर से 78^0 17′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। राजस्थान की आकृति विषमकोणीय चतुर्भुज के समान है।

भौगोलिक परिवेश

भारत के उत्तर पश्चिम में स्थित राजस्थान का अधिकांश भाग कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है। अतः राजस्थान उपोष्ण कटिबन्ध में स्थित है जलवायु के आधार पर राज्य में मुख्यतः तीन ऋतुएँ पाई जाती है। ग्रीष्म ऋतु मार्च से मध्य जून वर्षा ऋतु मध्य जून से सितम्बर और शीत ऋतु नवम्बर से फरवरी तक रहती है। 50 सेमी की समवर्षा रेखा राज्य की दो भागों में विभक्त करती है। राजस्थान में वर्षा का वार्षिक औसत लगभग 57.5 सेमी है। राज्य में वन्य जीवों और वनस्पति की भी कई प्रजातियाँ पाई जाती है।

शोध परिकल्पनाएँ

1. राजस्थान की स्थापत्य कला की विलक्षणता पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करती है।
2. मरूस्थलीय क्षेत्र का गुण विद्यमान होने के कारण भारत आने वाले प्रत्येक 3 पर्यटकों में से 1 पर्यटक राजस्थान अवश्य आता है।
3. विभागीय योजनाओं हेतु सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बजट राशि में वृद्धि की गई है।

उद्देश्य

1. राजस्थान में पर्यटन के विकास और महत्व का अध्ययन करना।
2. राजस्थान आने वाले विदेशी व देशी पर्यटकों का क्षेत्रीय वितरण ज्ञात करना।
3. राजस्थान के पर्यटन स्थलों की स्थिति, प्रकृति, प्रकार एवं महत्व का अध्ययन करना।
4. राजस्थान में पर्यटन से सम्बन्धित जन सुविधाओं एवं असुविधाओं का विश्लेषण कर समाधान प्रस्तुत करना अर्थात सुझाव देना।

शोध विधि

शोध सम्बन्धी अध्ययन को क्रमबद्ध बनाने तथा सही तकनीक का उपयोग कर सही निष्कर्ष निकालने के लिए विभिन्न प्रकार के आकड़ों का संकलन किया गया है। यह आकड़े प्राथमिक एवं द्वितीयक स्तर के है। प्राथमिक आकड़ों का संकलन क्षेत्रीय सर्वेक्षण एवं निरीक्षण द्वारा किया गया है। द्वितीयक स्तर के आकड़ों का संकलन प्राचीन शोधग्रंथ गजेटियर, सांख्यिकीय विभाग, सूचना एवं जनर्सम्पक केन्द्र, पर्यटन विभाग एवं परिवहन विभाग से किया गया है और पर्यटन विकास हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये है।

राजस्थान में पर्यटन का विकास

राजस्थान को सदियों से अपनी गौरवगाथा, कला एवं संस्कृति, तीर्थ स्थल, प्राकृतिक सौन्दर्य, पशु पक्षी अभ्यारण्य एवं ऐतिहासिक स्थलों के कारण देश विदेश में सराहा जाता है। यहीं कारण है कि राजस्थान आये बिना

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. ISSN: 2581-4044

पर्यटकों की भारत में पर्यटन यात्रा अधूरी ही रहती है। पर्यटन विभाग वर्ष 1956 से एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्यरत है। पर्यटन विभाग के नियन्त्रण में दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम क्रमशः राजस्थान पर्यटन विकास निगम लि. एवं राजस्थान राज्य होटल निगम लि. तथा एक स्वायत्त संस्थान "राजस्थान पर्यटन और यात्रा प्रबन्ध संस्थान" (रिटमेंट) कार्यरत है। इसके अतिरिक्त राजस्थान राज्य मेला प्राधिकरण भी विभाग के प्रशासनिक नियन्त्रण में कार्यरत है।

राजस्थान में पर्यटन के विकास हेतु सरकार द्वारा भी अपनी भूमिका का निर्वाहन पर्यटन विभाग के वर्षिक बजट में उत्तरोत्तर वृद्धि करके किया जा रहा है। वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 तक विभागीय योजनाओं हेतु बजट प्रावधान एवं व्यय की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की सूचना निम्नंकित है:–

वित्तीय प्रगति

वर्ष	बजट प्रावधान	व्यय
2014–15	6111.63	4332.32
2015–16	13904.46	12866.12
2016–17	13359.37	11392.62
2017–18	16350.61	7590.38 दिसम्बर 2017 तक

भौतिक प्रगति

वर्ष	योजना का नाम	
	पर्यटन स्थलों का विकास / संरक्षण	मेले, त्यौहार एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ
2014–15	7	50
2015–16	12	65
2016–17	12	58
2017 –18 (दिसम्बर 2017 तक)	24	38

राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन के विकास के लिए प्रतिवर्ष घोषित बजट में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा रही है ताकि यहां आने वाले स्वदेशी एवं विदेशी पर्यटकों को आवास, भोजन, परिवहन और मनोरंजन की सुविधाएँ प्रदान कर आकर्षित किया जा सकें जिससे स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सकें। राज्य के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों का विवरण इस प्रकार है।

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. ISSN: 2581-4044

राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों पर आने वाले पर्यटको का केन्द्रवार विवरण

क्रम सं.	पर्यटक स्थल	2014		2015		2016		2017	
		देशी	विदेशी	देशी	विदेशी	देशी	विदेशी	देशी	विदेशी
1.	माउण्ट आबू	2376831	4376	2017636	1598	1983435	1672	2682871	2579
2.	उदयपुर	720120	166936	727266	165525	756440	183964	830784	190521
3.	जयपुर	1170152	568234	1201152	596756	1544730	565978	1702665	633990
4.	पुष्कर	3234750	70603	3786360	69494	3961130	97651	4636005	101673
5.	जोधपुर	520198	139640	598967	126772	972337	138558	894085	144363
6.	अजमेर	4245710	33069	4546300	36423	4896070	41112	4651920	59405
7.	जैसलमेर	250716	91759	266175	84533	359497	90937	493755	122851
8.	नाथद्वारा	702801	21	637722	10	678006	0	713431	0
9.	चित्तौडगढ	612587	48374	640888	38879	791840	52340	449091	3417
10.	भरतपुर	69225	40386	66322	39608	72701	26368	111796	18398
11.	बीकानेर	347294	67098	348772	60767	325244	60300	356094	61930
12.	रणकपुर	555951	122403	532039	102994	525455	114806	494174	105272
13.	कोटा	51467	3516	90598	2574	89546	1778	202298	1860
14.	सवाई माधोपुर	77800	61495	85200	67935	106000	51265	139428	55190
15.	झुन्झुनू	126184	46828	86555	37420	127687	24477	174883	35999
16.	बांसवाडा	114040	141	113410	82	121487	139	129925	117
17.	अलवर	104418	18650	95787	10634	119815	8524	147653	12296
18.	सरिस्का	13087	237	14487	150	10932	198	10069	639
19.	ऋषभदेव	12489	0	25800	0	26022	0	30419	0
20.	बून्दी	49925	15063	54574	15290	59864	15420	65021	16442
21.	सीकर	116905	0	48305	16	102282	826	152416	1941
22.	सिलीसेढ	1910	0	2071	0	1752	0	1862	2
23.	बहरोड	4402	2	3650	31	2533	8	1802	0
24.	झालावाड़	93344	108	92426	114	88440	130	103102	166
25.	अन्य	17504185	26635	19105311	17706	23771870	37278	26741024	40912
	योग :-	33076491	1525574	35187573	1475311	41495115	1513729	45916573	1609963

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. ISSN: 2581-4044

राजस्थान के प्रमुख पर्यटक स्थल

राजस्थान के प्रमुख प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, मनोरंजनात्मक एवं पर्वतीय स्थलों को मानचित्र में प्रदर्शित किया गया है जो निम्नांकित है–

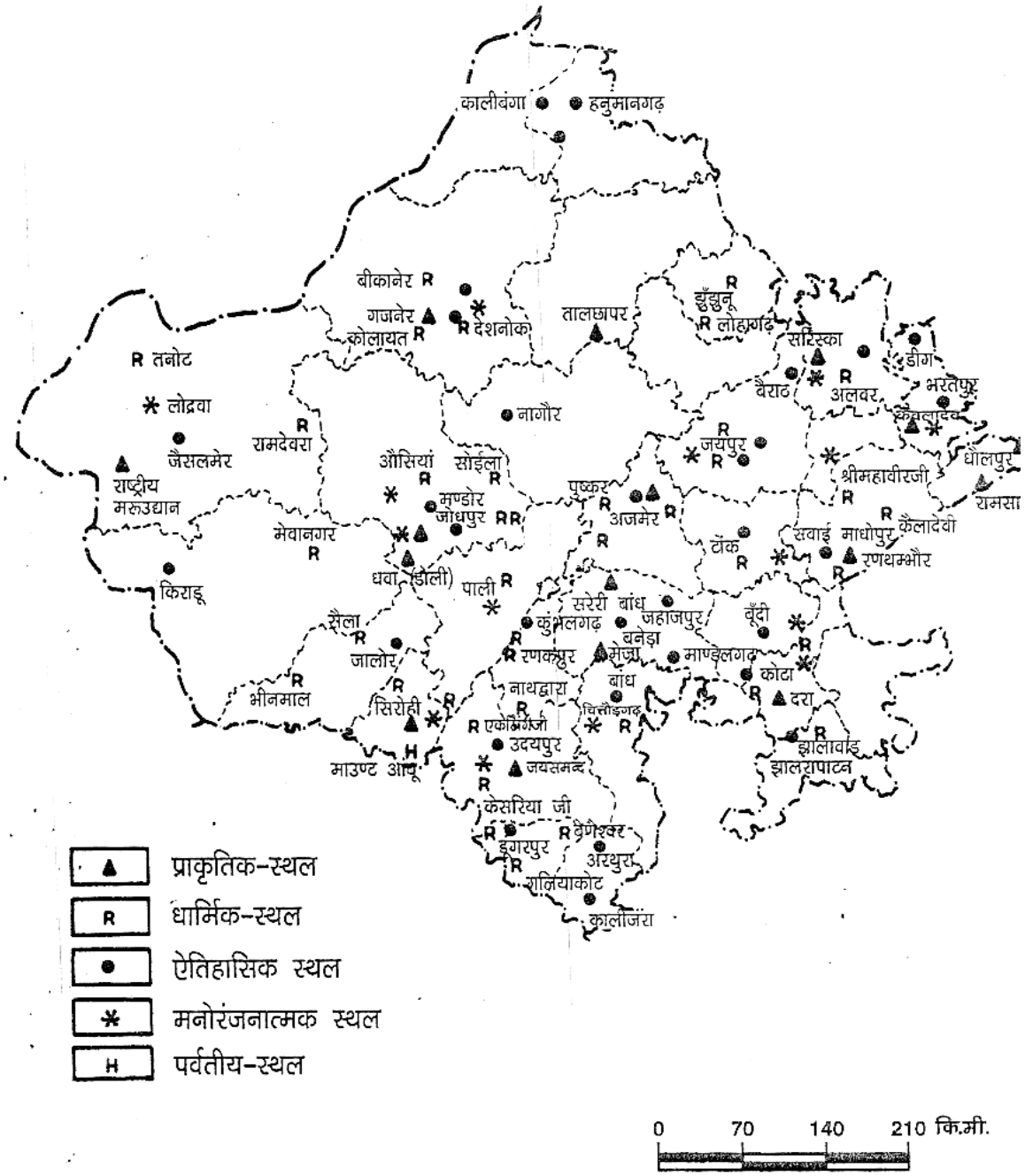

राजस्थानके पर्यटक–स्थल

निष्कर्ष

राजस्थान आरम्भ से ही पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध रहा है। राजस्थान में पर्यटन से सम्बन्धित परिवहन साधन, आवासीय व्यवस्था, बैंकिंग एवं संचार माध्यम टुअर ऑपरेटर्स और ट्रैवल एजेन्सियों जैसी आधारभूत सुविधाएँ विद्यमान है। पर्यटकों को अधिकाधिक संख्या में आकर्षित करने के

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. ISSN: 2581-4044

लिए शाही रेलगाड़ी प्लेस ऑन व्हील का शुभारम्भ किया गया।

राजस्थान में एक और पर्यटन के विकास से विदेशी मुद्रा का अर्जन हुआ है तथा रोजगार व निर्यात में वृद्धि हुई है, वही दूसरी और पर्यावरण भी प्रभावित हुआ है शोधार्थी द्वारा किए गये क्षेत्र सर्वेक्षण से यह ज्ञात हुआ है कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों में 46 प्रतिशत ने वायु प्रदूषण 33.66 प्रतिशत ने जल प्रदूषण तथा 15.33 प्रतिशत ने ध्वनि प्रदूषण को पर्यटन के दौरान अनुभव किया। पर्यटन के विकास से सामाजिक व सांस्कृतिक पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़े है जैसे बाल यौन शोषण, जुआ तथा नशीले पदार्थो का व्यापार आदि।

सुझाव

पर्यटन का प्रत्यक्ष अर्थ छवि से है अर्थात छवि विक्रय ही पर्यटन का मुख्य आधार माना जा सकता है। भारत में राजस्थान की शांतिप्रियता अपनत्व, समत्व की भावना तथा आतिथ्य– सत्कार एवं सम्मान का विशिष्ट स्वरूप अन्यत्र कहीं मिल पाना मुश्किल है। चूँकि राजस्थान में पर्यटन का वृक्षारोपण अभी हुआ ही है। अत: यहाँ पर्यटन सुविधाओं का अपेक्षित स्तर नही है। राजस्थान में पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते है

1. पर्यटन से जुड़े सभी उद्यमियों, राजकीय विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को समय समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
2. पर्यटन का विकास इस रूप मे किया जाये कि यह पर्यावरण व संस्कृति पर कम से कम प्रभाव डालते हुए पैसा व नौकरियाँ पैदा करने के साथ ही वन्यजीवों व वनस्पतियों के संरक्षण का कार्य भी करें।
3. पर्यटन स्थल पर पुलिस की व्यवस्था की जाये ताकि ठगी, जेब–तराशी, लूटपाट व हमलों जैसी घटनाओं को रोका जा सकें।
4. पर्यटक विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर ब्रोशर एवं सूचना पुस्तिका आदि छपवाने का कार्य किया जाए।
5. सरकार द्वारा पर्यटन विकास हेतु दी जाने वाली सब्सिड़ी एवं ऋण का प्रचार–प्रसार किया जाए।
6. पर्यटन की एक महत्वपूर्ण समस्या पर्यटन स्थलों पर बढ़ते प्रदूषण की है अत: प्रदूषण की रोकथाम के लिये "इको टूरिज्म" अर्थात पारिस्थितिकी पर्यटन को प्रदेश में बढ़ावा दिया जाए।
7. पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं में अभिवृद्धि की जाएँ।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

[1]. दीक्षित के.के. गुप्ता जे.पी., पर्यटन के विविध आयाम।
[2]. रैना ए.के. एवं सिंह किशोर, राजस्थान में पर्यटन प्रबन्ध सिद्धान्त और व्यवहार।
[3]. व्यास राजेश कुमार, राजस्थान में पर्यटन प्रबन्ध।
[4]. शर्मा संजय कुमार, पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद।
[5]. रावत राज, पर्यटन का प्रभाव व प्रबन्धन।
[6]. नेगी जगमोहन, पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त।
[7]. शर्मा के.के., राजस्थान में पर्यटन विकास।
[8]. भीष्मपाल एच., पर्यटकों का आकर्षण राजस्थान।
[9]. www.rajasthantourism.com.

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved. ISSN: 2581-4044